गण्ड मूल नक्षत्रों का आरम्भ तथा समाप्ति काल वि.सं. 2077

प्रारम्भ		समाप्ति		प्रारम्भ		समाप्ति	
2020	घं. मि.	2020	घं. मि.	2020	घं. मि.	2020	घं. मि.
24 मार्च	28.18	27 मार्च	10.08	11 अक्टूबर	25.18	13 अक्टूबर	22.54
03 अप्रैल	18.40	05 अप्रैल	14.56	19 अक्टूबर	27.51	21 अक्टूबर	25.12
11 अप्रैल	20.10	13 अप्रैल	19.01	29 अक्टूबर	11.59	31 अक्टूबर	17.57
21 अप्रैल	10.22	23 अप्रैल	16.04	08 नवम्बर	08.44	10 नवम्बर	07.55
30 अप्रैल	25.52	02 मई	23.39	16 नवम्बर	14.35	18 नवम्बर	10.39
09 मई	06.32	10 मई	28.12	25 नवम्बर	18.19	27 नवम्बर	24.22
18 मई	16.57	20 मई	22.36	05 दिसम्बर	14.27	07 दिसम्बर	14.31
28 मई	07.26	30 मई	06.02	13 दिसम्बर	25.39	15 दिसम्बर	21.30
05 जून	16.42	07 जून	14.10	22 दिसम्बर	25.36	25 दिसम्बर	07.35
14 जून	24.21	17 जून	06.03	2021	घं. मि.	2021	घं. मि.
24 जून	13.09	26 जून	11.25	01 जनवरी	20.14	03 जनवरी	19.56
02 जुलाई	25.13	04 जुलाई	23.21	10 जनवरी	10.49	12 जनवरी	07.37
12 जुलाई	08.17	14 जुलाई	14.06	19 जनवरी	09.53	21 जनवरी	15.35
21 जुलाई	20.29	23 जुलाई	17.43	28 जनवरी	27.49	30 जनवरी	26.27
30 जुलाई	07.40	01 अगस्त	06.47	06 फरवरी	17.17	08 फरवरी	15.20
08 अगस्त	16.11	10 अगस्त	22.05	15 फरवरी	18.28	17 फरवरी	23.48
17 अगस्त	29.42	19 अगस्त	26.06	25 फरवरी	13.16	27 फरवरी	11.17
26 अगस्त	13.03	28 अगस्त	12.36	05 मार्च	22.37	07 मार्च	20.58
04 सितम्बर	23.27	06 सितम्बर	29.23	14 मार्च	26.18	17 मार्च	07.30
14 सितम्बर	15.51	16 सितम्बर	12.20	24 मार्च	23.11	26 मार्च	21.38
22 सितम्बर	19.17	24 सितम्बर	18.09	02 अप्रैल	05.18	03 अप्रैल	26.37
02 अक्टूबर	05.56	04 अक्टूबर	11.51	11 अप्रैल	08.56	13 अप्रैल	14.18

पंचकों का आरम्भ एवं समाप्ति काल

तिथि पत्रिका में यथा स्थान पंचकों का आरम्भ, समाप्ति और पंचक लगा दिये गये हैं। अतः वे अलग से नहीं दिये जा रहे हैं। काई भूलचुक हो तो क्षमा प्रार्थी हैं।

पंचकों में वर्जित कार्य :-

पंचकों में घास, लकड़ी का संग्रह एवं खाट आदि का बुनना, दक्षिण दिशा की यात्रा करना, मकान बनाना, दाह-संस्कार करना आदि निषिद्ध है। दाह-संस्कार के समय 5 पुतले बनाकर पंचक शान्ति करनी चाहिए। विवाह आदि सभी संस्कार, वाहन खरीदना, दुकान खोलने में पंचक का विचार नहीं किया जाता है।